HINDI BENGALI SHIKSH

By

PANDIT HARIDASS,

AN EXPERIENCED TEACHER,

Formerly Head Master T. A. V. School, Pokaran [Jodhpur]-

AND AUTHOR OF

Swasthya Raksha, Angrezi Shiksha Series, Aqlamand Khazana, Kalgyan & Translator of Gulistan, Bhagavadgita, Rajsingh or Chanchal Kumari etc.

SECOND EDITION.

1912.

CALCUTTA.

PRINTED by Rampratap Bhargava,

at the "Narsingh Press"

201, Harrison Road, Calcutta.

दूसरी बार २०००] [मूल्य ।।)

NOTICE.

Registered under Section XVIII of act XXV of 1867.

आवश्यक सूचना।

इस किताब की रजिस्ट्री सन १८६६ के एक्ट् २५ सैक्शन १८ के मुताबिक् सरकार में होगई है। कोई शख्स इसको फिरसे छापने, छपवाने या इसको उलट पुलट कर काम निकालने का अधिकारी नहीं है। यदि कोई शख्स लोभ वशीभूत होकर, ऐसा काम करेगा तो राज-दण्डसे दण्डित होगा।

1st Edition 1000, 1911.

2nd Edition 2000, 1912,

प्रथम संस्करण की

भूमिका।

हमारे अनेकानेक ग्राहकोंने हमारी अँगरेज़ी शिक्षा खुश होकर, हमसे एक ऐसी पुस्तक लिखनेका बारम्बार अनुरोध किया, जिस के सहारे हिन्दी जाननेवाले बंगला भाषा बिना उस्ताद के घर बैठे सीख सकें। ग्राहकों की इच्छानुसार, मैंने इस पुस्तकको इस ढँग से ही लिखा है कि हिन्दी जाननेवाले सज्जन, सचमुच ही, बिना गुरु के, बहुत थोड़ी मिहनत से ही बँगला सीख सकें और हमारे बङ्गाली भाई बँगला की मदद से हिन्दी सीख सकें।

आजकल बँगला साहित्य उन्नति के उच्चतम सोपान पर चढ़ा हुआ है। बँगला में एक से एक उत्तम ग्रन्थ रत्न बन गये हैं और बनते जा रहे हैं। हिन्दी के पाठक उनके देखने लोभ संवरण कर नहीं सकते। दूसरी ओर हिन्दी एक ऐ भाषा है जो भारत के इस छोर से उस छोर तक बोली जाती है। तैलंग या मदरासी जब उत्तरीय भारत में आता है तब उसे हिन्दी से ही काम निकालना पड़ता है। इसी भाँति बङ्गाली जब युक्तप्रान्त या राजपूताने में जाता है तब उसे हिन्दी से ही मतलब निकालना होता है। यदि एक बङ्गाली

एक सिक्ख अमेरिका या अफ्रिका में मिलते हैं तब वे
पर का मतलब हिन्दी बोलकर ही निकालते हैं। अतः
भी भारत के लोगों को बंगला सीखने की जितनी
वश्यकता है; बङ्गाली लोगों को भी हिन्दी सीखने की
नी ही या उस से कहीं अधिक आवश्यकता है।

मैं नहीं कह सकता, कि इस काम में मुझे कहाँ तक
लता हुई है; क्योंकि मैं न तो हिन्दी का ही लेखक हूँ
र न बङ्गला का ही; किन्तु मैंने बौने के आकाशीय चाँद
छूने के समान, साहस किया है। अल्पज्ञ मनुष्यके काम
त्रुटियाँ और भूलें रह जाना नितान्त सम्भव है। दूसरे इस
तक को लिखकर मुझे दुबारा पढ़नेका अवकाश भी नहीं
मला; अतः जो भूलें या त्रुटियाँ मेरी या मेरे मित्रों की
ज़र तले आजायँगी, उन्हें मैं दूसरे संस्करण में अवश्य सुधार
दूँगा।

एक बात और कहनी है, कि इस पुस्तकके लिखने में
मेरे सदाके सहायक बाबू हरिराम भार्गव से मुझे बहुत
कुछ सहायता मिली है। बल्कि जब जब मुझे समय नहीं
मिला तब तब उन्होंने ही इसे लिखा है। अतः मैं उन
को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ। दूसरे इस के प्रूफ सँशोधन
में कई एक बङ्गाली सज्जनोंने भी सहायता दी है; अतः
मैं उनका भी कृतज्ञ हूँ।

हिन्दी या बँगला सीखनेवाले सज्जन यदि इसे कुछ भी

देखते ही फूल कुम्हला जाते हैं, इस गुदस्ते के फूल सभी अमर बन नित्य नूतनत्वकी छटा दिखाते हैं। प्रत्येक हिन्दी प्रेमीको इसकी एक प्रति संग्रह कर अपने हृदय और गृहकी शोभा बढ़ानी चाहिये।

रामायण रहस्य (प्रथम भाग)

मातृ-भक्ति, पितृ-भक्ति, स्त्री-धर्म, मित्र-धर्म, राजनीति युद्ध[illegible], गृह-नीति आदिका जैसा सुन्दर खाका रामायणमें खींचा है वैसा किसी ग्रंथमें भी नहीं। रामायण सरीखा भावमय, सुमधुर, नीतिभरा, उपदेशपूर्ण, शिक्षाप्रद, भक्तिमय ग्रंथ कोई भी नहीं हुआ। उसी रामायणका सरल, सालबोध हिन्दीमें यह उपन्यासों सरीखा अनुवाद है। साथही वाल्मीकि, अध्यात्म, अद्भुद, मयङ्क, तुलसीकृत सभी रामायणोंकी बातें भी इसमें ले ली गई हैं। ग्रंथ हाथमें लीजिये छोड़नेका जी न चाहेगा। बाल और अयोध्याकाण्ड की सभी बातें इसमें आ गई हैं। यदि सब रामायणोंका स्वाद लेना हो तो इसे अवश्य पढ़िये। दाम ॥) डाकखर्च ≤)

देखिये "बंगवासी" लिखता है :—

पुस्तक गद्य में है, भाषा और वर्णन नेम की उपन्यासोंकी सी है; पढ़नेमें जी लगता है। प्रत्येक हिन्दी जाननेवालोंको विशेषतः जो लोग ईश्वरावतार भगवान रामचन्द्रके भक्त हैं उन्हें इस पुस्तिका पाठ अवश्यही करना चाहिये।

भारतमें पोर्चुगीज़। (इतिहास)

यह वही पुराना इतिहास है जो अब तक हिन्दीमें छिपा हुआ था। इतिहास ही मनुष्यको जातीय शिक्षा और भविष्य उन्नतिकी शिक्षा देता है। फिरंगियोंने भारत पर किस तरह अपने पैर जमाये, भारतसे किस तरह अथाह धन-रत्न ले गये, किन किन अत्याचारोंसे उन्होंने दुर्बल भारतवासियोंको सताया, फिर अँगरेज़ोंने किस तरह उनसे उद्धार किया आदि सभी बातें सन् सम्बत, तारीख़ तथा बड़े बड़े लोगोंके मतके साथ इसमें लिखी गई हैं। इतिहास प्रेमी अवश्य इस पुराने इतिहासको पढ़ें और पढ़ायें। इससे बहुतसी नयी नयी बातें मालूम होंगी। दाम ॥), डाकख़र्च ≈)

गुलिस्ताँ।

यह गुलिस्ताँ एक फूलोंका गुलदस्ता है। पर यह फूल वह हैं जो कभी मुर्झाता नहीं। इस ग्रन्थका क़रीब क़रीब सब भाषाओंमें अनुवाद होकर सभी देशोंमें गुलदस्ता सजा दिया गया है, पर बिचारे हिन्दी को यह गुलदस्ता अब नसीब हुआ है। गुलिस्ताँ के बनानेवाले शेख़सादीने इस ग्रंथमें वह काम किया है कि जिससे अभी तक यह इन्ट्रेन्ससे बी० ए० तकमें पढ़ाया जाता है। यह नीतिकी

ग्रंथ है, इसको पढ़नेवाला सदा सुखी रह सकता है। लाख लाख रुपयोंकी एक एक बात अगर जाननी हो तो गुलिस्ताँ का सरल हिन्दी अनुवाद अवश्य पढ़िये। दाम १) महसूल ≈)

गहमरका "जासूस" निकला है :—

यह पुष्पोद्यान हिन्दी साहित्यमें सबके निरख योग्य हुआ है। इसकी सुगन्धित सुमनोंसे हिन्दी पाठकोंके मग़ज़ तर होंगे। अफ़लदात आवरण और छपाई सफ़ाई देखकर चित्त प्रसन्न होजायगा।

राजसिंह या चंचलकुमारी।

(उपन्यास)

राजसिंह ऐतिहासिक उपन्यासोंका राजा है। राजसिंहकी वीरता, धीरता, अचल-प्रतिज्ञा, चंचलकुमारीका अतुलनीय प्रेम, एक तस्वीर देखकर मोहित होना, औरंगजेबकी कूट नीति, कुटिल औरंगजेबको राजसिंहका तीन तीनबार पराजित करना, और बारबार नीचा दिखाना; राजपूतानी अबलाको यवनोंसे रक्षा करना, औरंगजेबके शाहीमहलका गुप्त प्रेम, और भयानक गुप्त घटनायें, आदि बातें राजसिंहके साथही साथ आज भी चित्तोरका माथा ऊँचा कर रही है। उपन्यास क्या एक रत्न है। ऐसा उपन्यास कम देखनेमें आता है। दाम ॥) महसूल ≈)

राधाकान्त

(उपन्यास)

सामाजिक उपन्यासोंका यह महाराजा है। यदि धन-मद मतवाले अमीरका चरित्र, बुरी संगतिका भयानक फल, खुशामदियोंकी विचित्र चालें, रंडियोंका स्वार्थभरा प्रेम, दरिद्रीकी सच्ची प्रीति, मित्रकी सच्ची मित्रता आदिका पूरा पूरा स्वाद लेना हो तो इसे पढ़िये! मालूम हो जायगा संसार कितने रसोंसे भरा है। कैसी कैसी चालें होती हैं। सभी घटनायें विचित्र, अद्भुत और रसपूर्ण हैं। दाम ॥) डाकखर्च ≈)

देखिये "बङ्गवासी" क्या कहता है :—

यह बड़ा ही सुन्दर उपन्यास है। इसमें दिखाया है कि परमात्माने पुरुषको संसारमें कार्य्य करने केलिये ही उत्पन्न किया है। कार्य करनेसे ही पुरुष सुखी रह सकता है निष्काम होकर परहितसाधन करना मनुष्यका परम धर्म है।

गल्पमाला।

उपदेश भरी तथा मनोमोहनी दस कहानियोंका यह एक कुंज है। सभी कहानियाँ सुगन्धित फूलोंकी तरह मनको प्रसन्न किये देती हैं। कभी करुणा, कभी प्रेम, कभी पुण्यकी जय और पापका पराजय, कहीं लोभ, कहीं

निर्लोभ आदि विषय पढ़ते पढ़ते पुस्तक छोड़नेका जी नहीं चाहता। दस उपन्यासोंका आनन्द एकमें मिलता है। दाम ।ꣷ डाक खर्च ꣷ

देखिये "हितवार्त्ता" क्या लिखती है :—

"बहुत ही अच्छा उपन्यास है।"

बाल-गल्पमाला।

यह पुस्तक बालक-बालिकाओंको उन्नति पर पहुँचा-नेवाली एक कल है। जिसमें रामचन्द्रकी पितृभक्ति, भीष्म पितामहका प्रतिज्ञापालन, लक्ष्मण और भरतका भ्रातृप्रेम, श्रीकृष्णकी विनय, युधिष्ठिरका सत्य, वशिष्ठकी क्षमा, हरि-श्चन्द्रका सत्य आदि और भी कितने ही पुर्जे ऐसे लगे हुए हैं जो बालक-बालिकाओंके हृदय पर चलते ही उन्हें उन्न-तिकी मार्गपर ले जा सकते हैं। पुस्तक अत्यन्त पूजनीया है। दाम ।ꣷ डाकखर्च ꣷ

खूनी मामला।

(जासूसी उपन्यास)

खूनी मामला जासूसी उपन्यासोंका मुकुट है। भयानक चोरी, भीषण डकैती, खून, जासूसकी विचित्र कार्रवाई, डाकु-ओंकी लोट, जासूसका खूनीके फिराकमें जाना, आप फँसना

फिर बचना, चोरोंका उपद्रव, खूनीकी चालाकी, जासूसका रहस्य-भेद करना, खूनीको पकड़ना आदि विषय पढ़ते पढते कभी पाठकोंको रोमाञ्च हो आवेगा, कभी क्रोधसे आँखें लाल होंगी और कभी दाँतों उंगलियाँ काटनी पड़ेंगी। दाम ।) महसूल ≡)।

अलिफलैला (पहला भाग)

यह वही पुस्तक है जिसका फारसीसे करीब करीब सब देशोंकी भाषाओंमें अनुवाद हो चुका है। यह हिन्दी अनुवाद भी सरल और बहुत उत्तम हुआ है। इस पहिले भागमें केवल "अलाउद्दीन और चिराग़" का वह किस्सा है जो पाठकोंका खाना पीना सोना भुला देगा। आह! अलिफलैला भी एक अचरज भरा ग्रंथ है। औरतोंकी मक्कारी, देव, दानव, राक्षसके भयानक काम, फिर औरतोंका उनको भी छकाना आदि ऐसे विषय हैं कि जिनपर ध्यान देनेसे बहुतसी बातें सीखनेमें आती हैं और चित्त भी प्रसन्न होता है दाम ॥) डाकखर्च ≡)।

प्रेम।

प्रेम सचमुच ही प्रेम-मय है। प्रेम-रसभरी यह छोटीसी पुस्तिका उपन्यासोंमें गुलाबकी कली हो रही है।

निःस्वार्थ प्रेमका ऐसा सच्चा नमूना बहुत कम दिखाई देगा प्रेमियोंको प्रेमका अवश्य आदर करना चाहिये। दाम ~) डाकखर्च ~)

बीरबलकी हाजिर जवाबी और चतुराई।

दो भाग।

बीरबलकी हाज़िर जवाबी संसारमें प्रसिद्ध है। इस ग्रंथमें ऐसे अनूठे सवाल हैं जिनको सुनकर मनुष्य अचम्भेमें आ जाय, परन्तु बीरबलने सभोंका जवाब दिया है। यह वह पुस्तक है जिसको पढ़ते पढ़ते मारे हँसीके लोटपोट हो जाना पड़ता है। पर मज़ा यह है कि इन सभी क़िस्सोंमें उपदेश भरा है। अवश्य देखिये। दूसरा भाग भी तय्यार हो चला। दो भागोंका दाम ॥) डाकखर्च ~)

कालज्ञान।

कालज्ञान सचमुच कालज्ञान है। यह वह पुस्तक है जिसके सहारे वैद्य अथवा हकीम यह सहजमें ही जान ले सकते हैं कि किस समय कौन सा काम करनेसे रोगी अच्छा हो जायगा। वैद्योंके लिये यह बड़े कामकी चीज़ है। दाम ।) डाकखर्च ~)

देखिये "हितवार्त्ता" क्या लिखती है:—

"...रोगियोंके लिये इस ज्ञानकी अधिक आवश्यकता है। यह पुस्तक प्रत्येक वैद्य और गृहस्थके काम की है।"

ণ ত থ দ ধ ন প

ण त थ द ध न प

ফ ব ভ ম য র ল

फ ब भ म य र ल

ব শ ষ স হ ক্ষ ড়

व श ष स ह क्ष ड़

ঢ় য় ং ঃ ঁ

ढ़ य ं ः ँ

व्यञ्जनों की पहिचान ।

শ ল ঘ হ ছ চ ঠ ট

ঢ ড ম ফ স ধ থ ব

র ক ভ খ ঝ প ষ য়

জ ত ন দ ঞ ব ণ ঙ

গ ড় ক্ষ য ঢ় ঃ ং

बंगला गिनती

১	২	৩	৪	৫
एक	दुइ	तिन	चारि	पाँच
৬	৭	৮	৯	১০
छय	सात	आठ	नय	दश

ध्यान देने योग्य बातें।

नोट (१) "জ" इसको बंगलामें बर्गीय "ज" कहते हैं। इसका इस्ते माल ऐसे शब्दोंमें होता है जैसे, जल, जानवर, जगन्नाथ, जींव, जन्तु इत्यादि।

नोट (२) "য" इसको अन्तस्थ "ज" बोलते हैं ; मगर असल में यह वहां ही इस्ते माल होता है जहां हिन्दी में "य" होता है। जैसे, यत्न, योग, इत्यादि।

नोट (३) बंगलामें "ब" और "व" जुदे जुदे नहीं होते। अर्थात् एकसे ही होते हैं।

नोट (४) बंगला और हिन्दी के निम्न लिखित अक्षरोंमें कुछ न कुछ समानता है।

ঘ घ, ড ड, ঢ ढ,

ন न, ব ब, ম म,

ল ल, ঃ :, ঁ ँ

नोट (५) बंगला के निम्न लिखित अक्षरोंकि लिखनेमें बहुत थोड़ा भेद है। पढ़ने-वालों को उनकी बारीकियां खूब समझ लेनी चाहिये !

ঘ য ষ য়, ঙ ড ড়, ণ ন, ব র, ধ ব;

घ य ष य, ङ ड ड़, ण न, ब र, ध व,

ই ঈ, উ ঊ ড, ঋ ঝ,

इ ई, उ ऊ ड, ऋ झ,

बँगाली लोग 'य' का उच्चारण बहुधा 'ज' के माफ़िक़ करते हैं "यव" को "जव" और 'योग' को 'जोग' [illegible] हैं।

बँगला अक्षरों का उच्चारण।

बँगला अक्षरोंका उच्चारण करते समय इस बातपर विशेष ध्यान रखना चाहिये कि हिन्दीके समान अकारान्त शब्दोंका उच्चारण ओकार के स्वरकी हलकी मात्रा लगाकर किया जाता है। जैसे हिन्दी में "परिमाण" बंगलामें "पोरिमाण" "प"= "पो", "परिमल" "पोरिमल" इत्यादि।

बँगला शब्दोंका उच्चारण।

बंगभाषामें शब्दोंकी लावण्ययुक्त बनानेके लिये कितने ही स्थानोंपर उच्चारण बिगाड़ दिया जाता है जैसे श्मशान—शशान, आशा—आशाँ, लक्ष्मी—लक्खीं, लक्ष्मण—लक्खँण पद्म—पद्दँ, इत्यादि।

ज़ और ज का भेद।

बंगभाषामें ज़कारान्त अथवा ज़कार के शब्द नहीं हैं। अन्य भाषाओंके शब्दोंके व्यवहार करते समय वर्गीय "ज" से ही काम निकाला जाता है।

व और ब का भेद।

बंगलामें "व" के स्थानपर "ब" ही लिखा जाता है। संस्कृत शब्दोंको लिखते समय "व" के स्थान पर "ब" लिखने के साथही साथ उच्चारण भी "ब" ही किया जाता है। जैसे विवेक—बिबेक, विवर्ण—बिबर्ण, वाचाल—बाचाल इत्यादि।

प्रथम अध्याय।

अक्षरों का जोड़ना।

पहिला पाठ।

অ ব	অব	अब	ই স	ইস	इस
ঈ খ	ঈখ	ईख	উ স	উস	उस
ঊ খ	ঊখ	ऊख	এ ক	এক	एक
ঐ ব	ঐব	ऐब	অং গ	অংগ	अंग

दूसरा पाठ।

ক ল	কল	कल	ফ ল	ফল	फल
জ ল	জল	जल	হ ল	হল	हल
ন ল	নল	नल	ব ল	বল	बल
চ ল	চল	चल	ঝ ট	ঝট	झट
প ঢ়	পঢ়	पढ़	প ট	পট	पट
র চ	রচ	रच	ঘ র	ঘর	घर

तीसरा पाठ।

দ র	দর	दर	ড র	ডর	डर
ধ র	ধর	धर	ন খ	নখ	नख
ভ য়	ভয়	भय	ব ন	বন	बन
র স	রস	रस	শ ঠ	শঠ	शठ

चौथा पाठ।

অপর	अपर	অবশ	अवश
অলস	अलस	অধম	अधम
ইতর	इतर	ঈষৎ	ईषत्
উদর	उदर	উমর	उमर
লবণ	लवण	তরল	तरल
রমন	रमन	চরণ	चरण
চরম	चरम	কদম	कदम
শরট	शरट	করট	करट
মকট	मकट	দখল	दखल
সবল	सबल	দশম	दशम
মদন	मदन	কটক	कटक

পাঁচবাঁ পাঠ।

কপট	কপট	সমন	সমন
দমন	দমন	দশন	দশন
অটল	অটল	অমর	অমর
অসৎ	অসত্	গরল	গরল
নয়ন	নযন	রজক	রজক

ছঠা পাঠ।

অনশন	অনশন	জলচর	জলচর
পরবশ	পরবশ	উপবন	উপবন
অপচয়	অপচয	অকপট	অকপট
থরথর	থরথর	দরদর	দরদর
করবট	করবট	পলটন	পলটন
বরতন	বরতন	মলমল	মলমল
খটমল	খটমল	সরবত	সরবত
সরপট	সরপট	পনঘট	পনঘট
রপটন	রপটন	হলচল	হলচল
খটপট	খটপট	শশধর	শশধর

बंगला और हिन्दी मात्राएं ।

नोट—ध्यान धरकर देखना चाहिये कि बंगला और हिन्दी की आकार, इकार और ईकार मात्राओंमें नाम मात्रका अन्तर है। उकार, और ऊकार मात्राओंमें भी थोड़ा अन्तर है। एकार, ऐकार ओकार और औकार मात्राओंमें पूरा २ फ़र्क़ है। हिन्दीमें एकार और ऐकार मात्राएं अक्षरके सिरपर लगती हैं; किन्तु बंगला में एकार और ऐकार मात्राएं अक्षर के बाईं बग़ल लिखी जाती हैं' इसी तरह ओकार और औकार मात्राओं में भी भेद है। हिन्दीमें आकार मात्रा अक्षर की बग़ल में दाहिनी तरफ़ और एकार और ऐकार सिरपर लगती हैं; किन्तु बंगला में आकार मात्रा तो हिन्दी की तरह अक्षर के दाहिनी तरफ़ ही लगती है; किन्तु एकार और ऐकार मात्रा वहाँ अक्षरकी बाईं तरफ़ बग़ल में लिखी जाती हैं। नीचे हम चन्द अक्षरों की बारहखड़ी लिखते हैं। पढ़ने वाले हिन्दी और बंगला मात्राओं के भेद को अच्छी तरह समझ लें। जिस तरह क, ख, ग, घ, की बारहखड़ी लिखी है उसी तरह शेष सब अक्षरों की बारहखड़ी समझनी चाहिये।

बारह खडी ।

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः

दूसरा अध्याय।

प्रथम पाठ।

গান	गान	তাল	ताल
নাম	नाम	শাক	शाक
লাভ	लाभ	পাস	पास
দান	दान	রাগ	राग
বাস	बास	ঘাস	घास
কাক	काक	জাম	जाम
মান	मान	বাণ	बाण
কাল	काल	জাল	जाल
কান	कान	ছাপ	छाप
ছাল	छाल	লতা	लता
কথা	कथा	দয়া	दया
জরা	जरा	কায়া	काया
ভাষা	भाषा	মাথা	माथा
পাতা	पाता	জটা	जटा

বালক	बालक	চালক	चालक
সমান	समान	বাচাল	बाचाल
ভাবনা	भावना	কাপাস	कापास
কপাট	कपाट	সাহস	साहस
কারণ	कारण	তাড়না	ताड़ना
পাষাণ	पाषाण	করাল	कराल
মরাল	मराल	যাতনা	यातना
অপার	अपार	অকাল	अकाल
সকাল	सकाल	অসার	असार
পকানা	पकाना	পঢ়ানা	पढ़ाना
ডালনা	डालना	টগরা	टगरा
অবাক	अबाक	আকর	आकर
পাঠক	पाठक	দানব	दानव
পাশব	पाशब	গাজর	गाजर
বাদাম	बादाम	বঢ়ানা	बढ़ाना
বতানা	बताना	বরষা	बरषा
পলাশ	पलाश	সারস	सारस

দূসরা পাঠ।

দিন	दिन	হিম	हिम
যদি	यदि	দধি	दधि
তিল	तिल	গতি	गति
রবি	रवि	তরি	तरि
নিধি	निधि	মণি	मणि
লিপি	लिपि	চিনি	चिनि
কিস	किस	জিস	जिस
কিন	किन	দিল	दिल
বিহিত	विहित	অশনি	अशनि
বিনয়	विनय	হরিণ	हरिण
শিশির	शिशिर	অবধি	अवधि
মলিন	मलिन	কঠিন	कठिन
দিবস	दिवस	কিরণ	किरण
বিলয়	विलय	নিয়ত	नियत
অগতি	अगति	মিলাপ	मिलाप
রিঝানা	रिझाना	বিগাড়া	बिगाड़ा

তীসরা পাঠ।

কালী	काली	শীত	शीत
তীর	तीर	কীর	कीर
দীন	दीन	নীর	नीर
কীট	कीट	বীর	बीर
গীত	गीत	নীল	नील
নদী	नदी	ধনী	धनी
ঘটী	घटी	জয়ী	जयी
শশি	शशि	বলী	बली
চীতা	चीता	চীন	चीन
পদবী	पदवी	রজনী	रजनी
গভীর	गभीर	অধীর	अधीर
জীবন	जीवन	নীরস	नीरस
ধমনী	धमनी	শীতল	शीतल
শরীর	शरीर	কীমত	कीमत
কীরত	कीरत	জীরক	जीरक

চৌথা পাঠ।

কুল	কুল	ক্ষুধা	ক্ষুধা
সুধা	সুধা	ঘুণ	ঘুণ
তুষ	তুষ	যুগ	যুগ
বুধ	বুধ	সুখ	সুখ
মুখ	মুখ	লঘু	লঘু
পটু	পটু	কটু	কটু
তনু	তনু	মধু	মধু
ধনু	ধনু	মুগ	মুগ
কুভাব	কুভাব	মুকুট	মুকুট
কুমতি	কুমতি	কুমুদ	কুমুদ
কুমার	কুমার	কুশল	কুশল
কুকুর	কুকুর	অতনু	অতনু
চতুর	চতুর	আকুল	আকুল
কুফল	কুফল	লুটন	লুটন
পুনীত	পুনীত	মুখর	মুখর
মুটরী	মুটরী	মধুর	মধুর

पांचवां पाठ ।

কূপ	कूप	দূত	दूत
ভূত	भूत	স্তূপ	स्तूप
শূল	शूल	মূঢ়	मूढ़
ধূম	धूम	পূজা	पूजा
মূল	मूल	পূত	पूत
মূক	मूक	মূছ	मूछ
দূষণ	दूषण	ভূষণ	भूषण
নূতন	नूतन	শূকর	शूकर
ময়ূর	मयूर	অকূল	अकूल
পূরণ	पूरण	পূতনা	पूतना
মূষক	मूषक	মূষল	मूषल

छठा पाठ ।

কৃত	कृत	কৃপা	कृपा
কৃমি	कृमि	কৃশ	कृश

কৃমি	कृमि	গৃহ	गृह
ঘৃত	घृत	পৃথু	पृथु
দৃঢ়	दृढ़	মৃত	मृत
কৃপাণ	कृपाण	কৃষক	कृषक
গৃহিণী	गृहिणी	মৃতক	मृतक
অমৃত	अमृत	পৃথক	पृथक
পৃথিবী	पृथिवी	পৃষৎ	पृषत्
মৃণাল	मृणाल	মৃগয়া	मृगया

সাতবাঁ পাঠ ।

কেবা	केवा	কেন	केन
কেশ	केश	কেলি	केलि
নেত	नेत	পেটী	पेटी
বেত	बेत	খেত	खेत
খেদ	खेद	খেল	खेल
গেহ	गेह	চেটী	चेटी
ঢেলা	ढेला	তেজ	तेज

তেলা	तैला	তেলী	तैली
মেষ	मेष	চেত	चैत
লেই	लेइ	ভেক	भेक
দেব	दैव	রেখা	रेखा
মেক	मेक	সেখ	सेख
কেচিৎ	केचित्	কেতক	केतक
কেতাব	केताब	কেদার	केदार
কেমন	केमन	কেশব	केशव
কেশর	केशर	কেশরী	केशरी
পেশকার	पेशकार	বেজার	बेजार
খেতাব	खेताब	খেয়াল	खेयाल
সেচক	सेचक	চেতনা	चेतना
তেবন	तेबन	তেতালা	तेताला
দেবতা	दैबता	দেনাদার	देनादार
দেবকী	देबकी	লেপক	लेपक
হেমল	हेमल	রেচন	रेचन

সেনা सैना সেনানী सैनानी
সেবন सैवन সেবনী सैवनी
লেখক लैखक লেখনী लैखनी
লেকড়ী लैकड़ी মেখলা मैखला
মেঘনাদ मैघनाद মেতর मैतर
মেদিনী मैदिनी পেয়াজ पैयाज
সেতখানা सैतखाना সেনাপতি सैनापति

आठवां पाठ।

কৈতব कैतब কৈরব कैरब
কৈলা कैला শৈল शैल
তৈল तैल হৈম हैम
শৈব शैब বৈদ बैद
শৈশব शैशब গৈগা गैगा
গৈরা गैरा জৈন जैन
বৈকালী बैकाली পৈতা पैता

পৈশাচ पैशाच বৈকাল बैकाल
বৈঠক बैठक বৈতরণী बैतरणी
ভৈরব भैरव ভৈরবী भैरवी
শৈবাল शैवाल শৈল शैल
সৈনিক सैनिक সৈরিভ सैरिभ
সৈরিক सैरिक হৈরিক हैरिक
বৈতালিক बैतालिक শৈবলিনী शैवलिनी

नवां पाठ ।

সোরা सोरा সোসর सोसर
সোহাগ सोहाग লোক लोक
লোচন लोचन লোটন लोटन
লোণ लोण লোধ लोध
লোপ लोप রোগ रोग
রোচক रोचक রোজগার रोजगार
রোটি रोटि রোদন रोदन

লোমকূপ	लोमकूप	রোহিণী	रोहिणी
মোট	मोट	মোদক	मोदक
মোন	मीन	মোম	मोम
বোঝা	बोझा	বোধক	बोधक
বোনা	बोना	বোরা	बोरा
বোলী	बोली	পোকা	पोका
পোত	पोत	পোয়াল	पोयाल
পোষক	पोषक	পোষণ	पोषण
দোতালা	दोताला	দোপড়া	दोपड़ा
দোল	दोल	দোহজ	दोहज

दशवां पाठ ।

কৌড়ি	कौड़ि	কৌতর	कौतर
কৌশল	कौशल	কৌতুক	कौतुक
কৌমুদী	कौमुदी	কৌরব	कौरव
কৌশেয়	कौशेय	গৌতম	गौतम

গৌর	गौर	গৌরব	गौरव
ডৌল	डौल	পৌধা	पौधा
গৌরী	गौरी	চৌর	चौर
তৌল	तौल	পৌর	पौर
পৌষ	पौष	রৌপা	रौपा
লৌহ	लौह	মৌন	मौन
পৌরক	पौरक	দৌলত	दौलत
রৌরব	रौरव	রৌহিণ	रौहिण
মৌমাছি	मौमाछि	যৌবন	जौबन
মৌলবী	मौलवी	ফৌজদার	फौजदार
দৌবারিক	दौवारिक	পৌরাণিক	पौराणिक

ग्यारहवां पाठ ।

দংশ	दंश	মাংস	मांस
অংশ	अंश	পংক	पंक
হংস	हंस	বংশ	बंश

সংবৎ संवत् বংশজ वंशज

শংবর शंवर হিংসক हिंसक

সংবদন संवदन সংবাদ संवाद

সংযম संयम সংশয় संशय

সংসদ্ संसद् দংশন दंशन

সংসার संसार নংশুক नंशुक

সংকলন संकलन বংশকর वंशकर

बारहवां पाठ

নভঃ नभः দুঃখ दुःख

নিঃসার निःसार নিঃশেষ निःशेष

দুঃসহ दुःसह দুঃশীল दुःशील

নিঃকারণ निःकारण নিঃকাসন निःकासन

নিঃসংশয় निःसंशय অধঃপাত अधःपात

দুঃশাসন दुःशासन দুঃসময় दुःसमय

तेरहवां पाठ।

হাঁচি हाँचि হাঁড়ি हाँड़ि

পাঁশ पाँश ভাঁড় भाँड़

ফাঁকা फाँका ফাঁকী फाँकी

ফাঁদ फाँद ফাঁসী फाँसी

পাঁতি पाँति হাঁক हाँक

সাঁঝ साँझ সাঁচি साँचि

রাঁধনি राँधनि শাঁখ शाँख

পাঁইত पाँइत পাঁক पाँक

পাঁচ पाँच পাঁজী पाँजी

পাঁচালী पाँचाली পাঁচড়া पाँचड़ा

সাঁড়াশী साँड़ाशी পাঁপড় पाँपड़

শাঁখপোকা शाँखपोका শাঁখিনী शाँखिनी

चौदहवां पाठ।

অভিলাষ	अभिलाष	অকাল	अकाल
অতাত	अतात	অতাপ	अताप
অনুশাসন	अनुशासन	আত্তবাদ	आतवाद
অতীত	अतीत	অতীব	अतीव
অনামক	अनामक	অনাময়	अनामय
অনুগমন	अनुगमन	অনুরাগ	अनुराग
আদর	आदर	আতপ	आतप
আপন	आपन	আমূল	आमूल
আবীর	आबीर	আশপাশ	आशपाश
আলোক	आलोक	আশিস্	आशिस्
ইতিহাস	इतिहास	ইদং	इदं
ইদানীং	इदानीं	ইমান	इमान
ইহকাল	इहकाल	ইহলোক	इहलोक
ইহারা	इहारा	ঈদ	ईद
ঈশ	ईश	ঈশান	ईशान
অনুমোদন	अनुमोदन	অনুমান	अनुमान

पन्द्रहवाँ पाठ।

পরিশোধ परिशोध অনুশীলন अनुशीलन
কচহরী कचहरी চূড়াকরণ चूड़ाकरण
কটার कटार জাতীয় जातीय
কবচ कवच তনয় तनय
কবিতা कविता অনুজ अनुज
কমঠ कमठ পরিণাম परिणाम
করিণী करिणी তপোবল तपोबल
কলম कलम তামাসা तामासा
কলস कलस কাকাবলী काकावली
তূলা तूला কাকী काकी
দশনবাসাঃ दशनवासा: কাগজক कागजक
দশমূল दशमूल কাতেল कातिल
পরিহাস परिहास দিকদারী दिकदारी
কামকলা कामकला দেবকুসুম देवकुसुम
কুমারিকা कुमारिका দোষাদোষি दोषादोषि
কোকনদ कोकनद ধনপতি धनपति

কোপাল कोपाल ধনাধিপ धनाधिप
কোমলতা कोमलता নব বধূ नव वधू
গজানন गजानन নিমিষ निमिष
গামলা गामला নিরাহার निराहार
গোদোহন गोदोहन নিরবকাশ निरवकाश
চকোর चकोर নিশাপতি निशापति
চাঁদী चाँदी নীলমণি नीलमणि
চাঁপকলি चाँपकलि চাটবাদী चाटवादी

सोलहवां पाठ।

অনুপায় अनुपाय পিকদান पिकदान
ফলোদয় फलोदय ফূঁকন फूँकन
অভিমান अभिमान ফৌজদারী फौजदारी
ফৌতিক फौतिक অবিবেচনা अविवेचना
বিভাবনা विभावना বিবিধ विविध
বিবাদ विवाद বিমোহন विमोहन
বেত্তাকুক वेत्रकुक বৈতালিক वैतालिक
ভুবনমোহন भुवनमोहन ভূতকাল भूतकाल

ভুতনাথ	भूतनाथ	পুরাতন	पुरातन
ভোলানাথ	भोलानाथ	ভৌতি	भौति
ভৌম	भौम	মহাঘোষ	महाघोष
মহাকায়	महाकाय	মহিলা	महिला
মহীতল	महीतल	লাভালাভ	लाभालाभ
লোলুপ	लोलुप	শতদল	शतदल
শনিবার	शनिबार	শাসনীয়	शासनीय
শিশির	शिशिर	সদৃশতা	सदृशता

सत्रहवां पाठ ।

গ+উ=গু　　ग+उ=गु

গুণ	गुण	গুণক	गुणक
গুণকথন	गुणकथन	গুণগান	गुणगान
গুণজনক	गुणजनक	গুণবান	गुणबान
গুণাগুণ	गुणागुण	গুণাকর	गुणाकर
গুণাবলী	गुणाबली	গুদাম	गुदाम
গুণযোগ	गुणजोग	গুণহীন	गुणहीन

গুণধর	गुणधर	গুড়	गुड़
গুটী	गुटी	গুলি	गुलि

अठारहवां पाठ।

র+উ=রু   र+उ=रु

গুরু	गुरु	গুরুপাক	गुरुपाक
গুরুপাপ	गुरुपाप	চরু	चरु
রুচি	रुचि	রুচির	रुचिर
রুজ	रुज	রুধির	रुधिर
রুমাল	रुमाल	রুহক	रुहक
তরু	तरु	গরু	गरु

उन्नीसवां पाठ।

শ+উ=শু   श+उ=शु

শুক	शुक	শুকনা	शुकना
শুচ	शुच	শুচি	शुचि
শুভ	शुभ	আশুতোষ	आशुतोष
পশুপতি	पशुपति	পশুরাজ	पशुराज

बीसवां पाठ ।

হ+উ=হু   ह+उ=हु

হুকুম	हुकुम	হুড়	हुड़
হুতবহ	हुतवह	হুতাশন	हुताशन
বহু	बहु	বহুধা	बहुधा

इक्कीसवां पाठ ।

র+ঊ=রূ   र+ऊ=रू

রূপ	रूप	নিরূপণ	निरूपण
রূপবতী	रूपवती	রূপা	रूपा
অপরূপ	अपरूप	আরূঢ়	आरूढ़

बाईसवां पाठ ।

হ+ঋ=হৃ   ह+ऋ=हृ

অপহৃত	अपहृत	হৃদয়	हृदय
সুহৃদ	सुहृद	হৃষ	हृष
হৃষীকেশ	हृषीकेश	হৃদেশ	हृदेश

तीसरा अध्याय ।

मिले हुए अक्षर

प्रथम पाठ ।

य फला । য যফলা ।

ক + য = ক্য	বাক্য,	শাক্য,	চালুক্য
क + य = क्य	बाक्य,	शाक्य,	चालुक्य
খ + য = খ্য	সুখ্যাতি,	আখ্যান	অখ্যাতি
ख + य = ख्य	सुख्याति,	आख्यान,	अख्याति
গ + য = গ্য	আরোগ্য,	যোগ্য,	সৌভাগ্য
ग + य = ग्य	आरोग्य,	जोग्य,	सौभाग्य
চ + য = চ্য	বিবেচ্য,	আলোচ্য,	রুচ্য
च + य = च्य	विवेच्य,	आलोच्य,	रुच्य
জ + য = জ্য	রাজ্য,	জ্যামিতি,	জ্যোতি
ज + य = ज्य	राज्य,	ज्यामिति,	ज्योति
ট + য = ট্য	অকাট্য,	নাট্য,	কাপাট্য
ट + य = ट्य	अकाट्य,	नाट्य,	कापाट्य
ঠ + য = ঠ	সুপাঠ্য,	পাঠ্য,	অপাঠ্য
ठ + य = ठ्य	सुपाठ्य	पाठ्य,	अपाठ्य

ড+য=ড্য	জাড্য	জাড্যারি	
ড+য=ড্য	জাড্য	জাড্যারি	
ঢ+য=ঢ্য	ধনাঢ্য	আঢ্য	সনাঢ্য
ঢ+য=ঢ্য	ধনাঢ্য	আঢ্য	সনাঢ্য
ণ+য=ণ্য	লাবণ্যবতী,	পুণ্যবান	
ণ+য=ণ্য	লাবণ্যবতী,	পুণ্যবান	
ত+য=ত্য	অনিত্য,	ত্যাগ,	অমাত্য
ত+য=ত্য	অনিত্য,	ত্যাগ,	অমাত্য
থ+য=থ্য	রথ্যা,	মিথ্যা,	অপথ্য
থ+য=থ্য	রথ্যা,	মিথ্যা,	অপথ্য
দ+য=দ্য	সদ্য,	অদ্য,	গদ্য
দ+য=দ্য	সদ্য,	অদ্য,	গদ্য
ধ+য=ধ্য	বধ্য,	ডমরুমধ্য,	আরাধ্য
ধ+য=ধ্য	বধ্য,	ডমরুমধ্য,	আরাধ্য
ন+য=ন্য	বন্য,	জন্য,	জঘন্য
ন+য=ন্য	বন্য,	জন্য,	জঘন্য
প+য=প্য	রৌপ্য,	গোপ্য	আলাপ্য
প+য=প্য	রৌপ্য,	গোপ্য	আলাপ্য
ভ+য=ভ্য	লভ্য,	সভ্যতা,	আরভ্য
ভ+য=ভ্য	লভ্য,	সভ্যতা,	আরভ্য
ম+য=ম্য	ম্যোর,	ধৌম্য,	সৌম্য
ম+য=ম্য	ম্যোর,	ধৌম্য,	সৌম্য

ল + য = ল্য বাল্যকাল, মূল্যবান কল্যাণ

ल + य = ल्य बाल्यकाल, मूल्यबान कल्याण

ব + য = ব্য ব্যয়, ব্যথা, ব্যৌপার

ब + य = ब्य ब्यय, ब्यथा, ब्यौपार

শ + য = শ্য শ্যামতা, শ্যালক, প্রকাশ্য

श + य = श्य श्यामता, श्यालक, प्रकाश्य

ষ + য = ষ্য পৌষ্য, শিষ্য মনুষ্য

ष + य = ष्य पोष्य, शिष्य मनुष्य

স + য = স্য আলস্য শস্য ঔদাস্য

स + य = स्य आलस्य शस्य, औदास्य

হ + য = হ্য দহ্যমান মুহ্যমান লেহ্য

ह + य = ह्य दह्यमान मुह्यमान लेह्य

दूसरा पाठ ।

र फला । র ফলা ।

ক + র = ক্র তক্র, শক্র, চক্রপাণি

क + र = क्र तक्र, शक्र, चक्रपाणि

গ + র = গ্র অগ্রজ, গ্রাহক, গ্রাহী

ग + र = ग्र अग्रज, ग्राहक, ग्राही

ঘ + র = ঘ্র শীঘ্র, অবঘ্রাণ আঘ্রাণ

घ + र = घ्र शीघ्र, अवघ्राण आघ्राण

জ+র=জ্র	বজ্রপাত,	বজ্রপাণি	বজ্রাঙ্কুশ
জ+ৰ=জ্ৰ	বজ্ৰপাত,	বজ্ৰপাণি	বজ্ৰাঙ্কুশ
ত+র=ত্র	পাত্র,	মিত্র,	ত্রাস
ত+ৰ=ত্ৰ	পাত্ৰ,	মিত্ৰ	ত্ৰাস
দ+র=দ্র	মদ্ররাজ,	ভদ্র,	দ্রাবক
দ+ৰ=দ্ৰ	মদ্ৰৰাজ,	ভদ্ৰ,	দ্ৰাবক
ধ+র=ধ্র	ধ্রুব,	গৃধ্র,	ধ্রুবরেখা
ধ+ৰ=ধ্ৰ	ধ্ৰুব,	গৃধ্ৰ,	ধ্ৰুবৰেখা
প+র=প্র	প্রবাসী,	প্রলয়,	প্রসাদ
প+ৰ=প্ৰ	প্ৰবাসী,	প্ৰলয়,	প্ৰসাদ
ভ+র=ভ্র	ভ্রূণ,	ভ্রমণ,	জাতিভ্রংশ
ভ+ৰ=ভ্ৰ	ভ্ৰূণ,	ভ্ৰমণ,	জাতিভ্ৰংশ
ম+র=ম্র	আম্র,	তাম্র,	নম্র
ম+ৰ=ম্ৰ	আম্ৰ,	তাম্ৰ,	নম্ৰ
ব+র=ব্র	ব্রজ,	পরিব্রাজক	ব্রত
ব+ৰ=ব্ৰ	ব্ৰজ,	পৰিব্ৰাজক	ব্ৰত
শ+র=শ্র	শ্রম,	শ্রীমান	শ্রীমতী
শ+ৰ=শ্ৰ	শ্ৰম,	শ্ৰীমান	শ্ৰীমতী
হ+র=হ্র	হ্রাস,	হ্রিণীয়া,	হ্রিপিত
হ+ৰ=হ্ৰ	হ্ৰাস,	হ্ৰিণীয়া,	হ্ৰিপিত

तीसरा पाठ ।

রেফ — रेफ

র + ক = র্ক	কর্ক,	তর্ক,	শর্করা
र + क = र्क	कर्क,	तर्क,	शर्करा
র + খ = র্খ	মূর্খ,	সুর্খ,	চর্খা
र + ख = र्ख	मूर्ख,	सुर्ख	चर्खा
র + গ = র্গ	দুর্গম,	দুর্গতি,	অনর্গল
र + ग = र्ग	दुर्गम,	दुर्गति,	अनर्गल
র + ঘ = র্ঘ	অর্ঘ,	দুর্ঘট,	মহার্ঘ
र + घ = र्घ	अर्घ,	दुर्घट,	महार्घ
র + জ = র্জ	কর্জ	আর্জন,	পুনর্জাত
र + ज = र्ज	कर्ज	आर्जन,	पुनर्जात
র + ঝ = র্ঝ	ঝর্ঝরী,	ঝর্ঝর	নির্ঝর.
र + झ = र्झ	झर्झरी,	झर्झर	निर्झर
র + ণ = র্ণ	পর্ণকুটী,	মহার্ণব,	কর্ণধার
र + ण = र्ण	पर्णकुटी,	महार्णव,	कर्णधार
র + থ = র্থ	অর্থহানি,	গতার্থক,	চতুর্থাংশ
र + थ = र्थ	अर्थहानि,	गतार्थक,	चतुर्थांश
র + প = র্প	কুর্পর,	দর্পণ	খর্পর
र + प = र्प	कुर्पर,	दर्पण,	खर्पर

র+ব=র্ব	নির্ব্বল	দুর্ব্বল	গর্ব্ব
र+व=र्व	निर्व्वल	दुर्व्वल	गर्व्व
র+ভ=র্ভ	গর্ভকোষ,	দুর্ভিক্ষ,	চতুর্ভুজ
र+भ=र्भ	गर्भकोष,	दुर्भिक्ष,	चतुर्भुज
র+য=র্য	দুর্য্যোধন,	তির্য্যক,	মর্য্যাদা
र+य=र्य	दुर्य्योधन,	तिर्य्यक,	मर्य्यादा
র+ল=র্ল	দুর্ল্লিত	দুর্লভ	বর্লি
र+ल=र्ल	दुर्ल्लित	दुर्लभ	बार्लि
র+শ=র্শ	অর্শ,	দর্শক	আদর্শ
र+श=र्श	अर्श,	दर्शक	आदर्श
র+ষ=র্ষ	লোমহর্ষ,	মহর্ষি,	বর্ষণ
र+ष=र्ष	लोमहर्ष,	महर्षि	वर्षण
র+হ=র্হ	গর্হিত,	শাস্ত্রার্হ	গার্হস্থ্য
र+ह=र्ह	गर्हित,	शास्त्रार्ह	गार्हस्थ्य

चौथा पाठ।

ক+ম=ক্ম	রুক্মকার,	রুক্মিণীকান্ত
क+म=क्म	रुक्मकार,	रुक्मिणीकान्त
গ+ম=গ্ম	যুগ্ম	বাগ্মী
ग+म=ग्म	युग्म	वाग्मी

नोट—याद रखना चाहिये कि बँगाली लोग "दुर्य्योधन" को दुर्जोधन और "मर्यादा" को "मर्जादा" बोलते हैं।

ত + ম = ত্ম   মহাত্মা,   চিদাত্মা

त + म = त्म   महात्मा,   चिदात्मा

দ + ম = দ্ম   ছদ্মবেশী   পদ্মিনী

द + म = द्म   छद्मवेशी   पद्मिनी

ন + ম = ন্ম   জন্মতিথি,   মন্মথ

न + म = न्म   जन्मतिथि,   मन्मथ

ল + ম = ল্ম   জলগুল্ম   শাল্মলী

ल + म = ल्म   जलगुल्म   शाल्मली

ষ + ম = ষ্ম   চক্ষুষ্মান,   উষ্মা

ष + म = ष्म   चक्षुष्मान,   उष्मा

শ + ম = শ্ম   রশ্মি   শ্মশান

श + म = श्म   रश्मि   श्मशान

স + ম = স্ম   স্মৃতি   স্মরণ

स + म = स्म   स्मृति   स्मरण

হ + ম = হ্ম   ব্রাহ্মণ   ব্রহ্মর্ষি

ह + म = ह्म   ब्राह्मण   ब्रह्मर्षि

नोट—जब 'म' किसी दूसरे अक्षर के साथ मिला होता है तब बंगाली लोग बहुधा उसके उच्चारण के समय 'म' के स्थान में केवल अनुस्वार ही का उच्चारण करते हैं जैसे "आत्मा" का "आत्ताँ" "पद्म" का "पद्दँ"।

पांचवां पाठ ।

ক + ল = ক্ল   ক্লীব,   ক্লেশ   ক্লেদ,
क + ल = क्ल   क्लीब,   क्लेश   क्लेद,
গ + ল = গ্ল   গ্লানিকারক   গ্লাস
ग + ल = ग्ल   ग्लानिकारक   ग्लास
প + ল = প্ল   প্লুত.   প্লাবন   বিপ্লব
प + ल = प्ल   प्लुत,   प्लावन   विप्लव
ম + ল = ম্ল   অম্ল   ম্লান   ম্লেচ্ছ
म + ल = म्ल   अम्ल   म्लान   म्लेच्छ
ল + ল = ল্ল   মল্ল   মল্লিকা   মল্লার
ल + ल = ल्ल   मल्ल   मल्लिका   मल्लार
শ + ল = শ্ল   শ্লাঘা   শ্লেষ   শ্লোক
श + ल = श्ल   श्लाघा   श्लेष   श्लोक

छठा पाठ ।

ক + ব = ক্ব   ক্বাথ   পক্বাতিসার
क + व = क्व   क्वाथ   पक्वातिसार
গ + ব = গ্ব   গ্বাল   দিগ্বিজয়
ग + व = ग्व   ग्वाल   दिग्विजय

জ + ব = জ্ব	জটাজ্বাল,	জ্বর	জ্বলন
জ + ব = জ্ব	জটাজ্বাল,	জ্বর	জ্বলন
ট + ব = ট্ব	খট্বা	খট্বাঙ্গ	
ট + ব = ট্ব	খট্বা	খট্বাঙ্গ	
ত + ব = ত্ব	মহত্ত্ব	ত্বরা	সত্বর
ত + ব = ত্ব	মহত্ত্ব	ত্বরা	সত্বর
দ + ব = দ্ব	দ্বারপাল	অদ্বিতীয়	দ্বারা
দ + ব = দ্ব	দ্বারপাল	অদ্বিতীয়	দ্বারা
ধ + ব = ধ্ব	মোরধ্বজ	গরুড়ধ্বজ	ধ্বংশ
ধ + ব = ধ্ব	মোরধ্বজ	গরুড়ধ্বজ	ধ্বংশ
শ + ব = শ্ব	বিশ্বাসপাত্র	শ্বাসরোগ	নিঃশ্বাস
শ + ব = শ্ব	বিশ্বাসপাত্র	শ্বাসরোগ	নিঃশ্বাস
স + ব = স্ব	স্বরান্ত	স্বাদু	স্বর
স + ব = স্ব	স্বরান্ত	স্বাদু	স্বর
হ + ব = হ্ব	জিহ্বা	আহ্বান	বিহ্বল
হ + ব = হ্ব	জিহ্বা	আহ্বান	বিহ্বল

সাতবাঁ পাঠ ।

ষ+ণ=ষ্ণ	বিষ্ণু	কৃষ্ণ	জিষ্ণু
ष+ण=ष्ण	विष्णु	कृष्ण	जिष्णु
গ+ন=গ্ন	নগ্ন	লগ্নিকা	দাবাগ্নি
ग+न=ग्न	नग्न	लग्निका	दावाग्नि
ঘ+ন=ঘ্ন	কৃতঘ্ন	রোগঘ্ন	বিঘ্ন
घ+न=घ्न	कृतघ्न	रोगघ्न	विघ्न
ত+ন=ত্ন	রত্ন	যত্ন	রত্নাকর
त+न=त्न	रत्न	यत्न	रत्नाकर
ন+ন=ন্ন	অন্নপ্রাশন	ছিন্নভিন্ন	আচ্ছন্ন
न+न=न्न	अन्नप्राशन	छिन्नभिन्न	आच्छन्न
শ+ন=শ্ন	প্রশ্ন	প্রশ্নদূতী	
श+न=श्न	प्रश्न	प्रश्नदूती	

আঠবাঁ পাঠ ।

ক+ক=ক্ক	চক্কী	মক্কা	তুক্ক
क+क=क्क	चक्की	मक्का	तुक्क
ক+ত=ক্ত	রক্ত	তক্ত	শক্তি
क+त=क्त	रक्त	तक्त	शक्ति

नोट—बंगाली लोग प्रायः "ष्ण" का उच्चारण "ष्ट" करते हैं जैसे "कृष्ण" को "कृष्ट" "विष्णु" को बिष्टु कहते है।

ক + ষ = ক্ষ	তক্ষক	দক্ষিণা	ক্ষমা
क + ष = क्ष	तक्षक	दक्षिणा	क्षमा
গ + ধ = গ্ধ	দুগ্ধ	দগ্ধ	দগ্ধিকা
ग + ध = ग्ध	दुग्ध	दग्ध	दग्धिका
ঙ + ক = ঙ্ক	অঙ্ক	ময়ঙ্ক	শঙ্কা
ङ + क = ङ्क	अङ्क	मयङ्क	शङ्का
ঙ + খ = ঙ্খ	শঙ্খ	শঙ্খিনী	পঙ্খ
ङ + ख = ङ्ख	शङ्ख	शङ्खिनी	पङ्ख
ঙ + গ = ঙ্গ	মঙ্গল	জঙ্গল	মাতঙ্গ
ङ + ग = ङ्ग	मङ्गल	जङ्गल	मातङ्ग

नवां पाठ ।

চ + চ = চ্চ	লুচ্চা	চৌবাচ্চা	সচ্চা
च + च = च्च	लुच्चा	चौबाच्चा	सच्चा
চ + ছ = চ্ছ	অচ্ছা	তুচ্ছ	স্বচ্ছ
च + छ = च्छ	अच्छा	तुच्छ	स्वच्छ
জ + জ = জ্জ	মজ্জন	লজ্জাশীল	সজ্জন
ज + ज = ज्ज	मज्जन	लज्जाशील	सज्जन
জ + ঞ = জ্ঞ	বিজ্ঞতা	বিজ্ঞান	জ্ঞাতা
ज + ञ = ज्ञ	विज्ञता	विज्ञान	ज्ञाता

ঞ + চ = ঞ্চ	কাঞ্চন	মঞ্চ	বৈঞ্চ
ञ + च = ञ्च	काञ्चन	मञ्च	बैञ्च
ঞ + ছ = ঞ্ছ	লাঞ্ছন	বাঞ্ছা	মঞ্ছাল
ञ + छ = ञ्छ	लाञ्छन	बाञ्छा	मञ्छाल
ঞ + জ = ঞ্জ	জঞ্জাল	মঞ্জন	মঞ্জিল
ञ + ज = ञ्ज	जञ्जाल	मञ्जन	मञ्जिल

दशवाँ पाठ।

ট + ট = ট্ট	টট্টী	গট্টী	পট্টী
ट + ट = ट्ट	टट्टी	गट्टी	पट्टी
ণ + ট = ণ্ট	চিরণ্টী	কণ্টক	বণ্টন
ण + ट = ण्ट	चिरण्टी	कण्टक	बण्टन
ণ + ঠ = ণ্ঠ	কুণ্ঠিত	কণ্ঠ	উৎকণ্ঠা
ण + ठ = ण्ठ	कुण्ठित	कण्ठ	उत्कण्ठा
ণ + ড = ণ্ড	ঠণ্ডা	কাণ্ড	দণ্ডপাণি
ण + ड = ण्ड	ठण्डा	काण्ड	दण्डपाणि
ত + ত = ত্ত	চৌরবৃত্তি	চৌরাগর্ত্ত	মত্ত
त + त = त्त	चौरवृत्ति	चौरागर्त्त	मत्त
ত + থ = ত্থ	উত্থান	উত্থাপন	সমুত্থিত
त + थ = त्थ	उत्थान	उत्थापन	समुत्थित

দ+গ=দ্গ	উদ্গার	উদ্গীরণ	সদ্গতি
द+ग=द्ग	उद्गार	उद्गीरण	सद्गति
দ+দ=দ্দ	উদ্দেশ্য	উদ্দাম	তদ্দণ্ডে
द+द=द्द	उद्देश्य	उद्दाम	तद्दण्डे
দ+ধ=দ্ধ	রুদ্ধমান	উদ্ধার	শ্রাদ্ধ
द+ध=द्ध	रुद्धमान	उद्धार	श्राद्ध
দ+ভ=দ্ভ	উদ্ভব	সদ্ভাব	উদ্ভিদ
द+भ=द्भ	उद्भव	सद्भाव	उद्भिद
ন+ত=ন্ত	দিগন্তর	অনন্তর	কান্তা
न+त=न्त	दिगन्तर	अनन्तर	कान्ता

ग्यारहवाँ पाठ ।

ন+থ=ন্থ	পন্থ	পান্থশালা	পন্থা
न+थ=न्थ	पन्थ	पान्थशाला	पन्था
ন+দ=ন্দ	নন্দ	কন্দ	ছন্দ
न+द=न्द	नन्द	कन्द	छन्द
ন+ধ=ন্ধ	অন্ধ	দুর্গন্ধ	সন্ধি
न+ध=न्ध	अन्ध	दुर्गन्ध	सन्धि
প+ত=প্ত	তৃপ্ত	সুপ্ত	গুপ্ত
प+त=प्त	तृप्त	सुप्त	गुप्त

ব+দ=ব্দ　শব্দ　অব্দ

ब+द=ब्द　शब्द　अब्द

ব+ধ=ব্ধ　লব্ধ　স্তব্ধ　ক্ষুব্ধ

ब+ध=ब्ध　लब्ध　स्तब्ध　क्षुब्ध

প+প=প্প　টপ্পা　ছপ্পর

प+प=प्प　टप्पा　छप्पर

ম+প=ম্প　লম্পট　সম্পদ　অনুকম্পা

म+प=म्प　लम्पट　सम्पद्　अनुकम्पा

ম+ফ=ম্ফ　গুম্ফিত　লিম্ফ

म+फ=म्फ　गुम्फित　लिम्फ

ম+ব=ম্ব　দিগম্বর　চুম্বক　তম্বুরা

म+ब=म्ब　दिगम्बर　चुम्बक　तम्बुरा

ম+ভ=ম্ভ　বিশ্বম্ভর　গম্ভীরতা

म+भ=म्भ　विश्वम्भर　गम्भीरता

ল+ক=ল্ক　শুল্ক　মুল্ক　ঝল্ক

ल+क=ल्क　शुल्क　मुल्क　झल्क

ল+প=ল্প　অল্প　কল্প　গল্প

ल+प=ल्प　अल्प　कल्प　गल्प

बारहवां पाठ।

শ+চ=শ্চ　তৎপশ্চাৎ　নিশ্চয়

श+च=श्च　तत्पश्चात्　निश्चय

ষ+ট=ষ্ট জলকষ্ট তুষ্টিকর অষ্টমী

ष+ट=ष्ट जलकष्ट तुष्टिकर अष्टमी

ষ+ঠ=ষ্ঠ পৃষ্ঠ চতুষ্টয় তপনিষ্ঠ

ष+ठ=ष्ठ पृष्ठ चतुष्टय तपनिष्ठ

স+ক=স্ক তস্কর নিস্ক

स+क=स्क तस्कर निस्क

तेरहवाँ पाठ।

ক+ষ+ণ=ক্ষ্ণ তীক্ষ্ণ

क+ष+ण=क्ष्ण तीक्ष्ण

ক+ষ+ম=ক্ষ্ম লক্ষ্মণ

क+ष+म=क्ष्म लक्ष्मण

ঙ+ক+ষ=ঙ্ক্ষ আকাঙ্ক্ষা

ङ+क+ष=ङ्क्ष आकाङ्क्षा

জ+জ+ব=জ্জ্ব জাজ্জ্বল্যমান

ज+ज+व=ज्ज्व जाज्ज्वल्यमान

ত+ত+র=ত্ত্র পুত্ত্রবধূ, পুত্ত্র, ছাত্ত্র

त+त+र=त्त्र पुत्त्रवधू, पुत्त्र, छात्त्र

ত+ত+ব=ত্ত্ব তত্ত্ববিদ, তত্ত্বকারক

त+त+व=त्त्व तत्त्वविद, तत्त्वकारक

ন+ত+র=ন্ত্র তন্ত্র, মন্ত্র, যন্ত্রণা

न+त+र=न्त्र तन्त्र, मन्त्र, यन्त्रणा

ন+দ+র=ন্দ্র ইন্দ্র, চন্দ্রকলা, তন্দ্রা
न+द+र=न्द्र इन्द्र, चन्द्रकला, तन्द्रा
ন+ধ+য=ন্ধ্য সন্ধ্যা, বন্ধ্যা
न+ध+य=न्ध्य सन्ध्या, बन्ध्या
ম+প+র=ম্প্র সম্প্রদান
म+प+र=म्प्र सम्प्रदान
ম+ভ+র=ম্ভ্র সম্ভ্রম, সম্ভ্রান্ত
म+भ+र=म्भ्र सम्भ्रम, सम्भ्रान्त
র+চ+চ=র্চ্চ চর্চ্চা, চর্চ্চিত
र+च+च=र्च्च चर्च्चा, चर्च्चित
র+চ+ছ=র্চ্ছ মূর্চ্ছিতাবস্থা
र+च+छ=र्च्छ मूर्च्छितावस्था
র+জ+=র্জ্জ তর্জ্জনী, দুর্জ্জন, দুর্জ্জয়
र+ज+ज=र्ज्ज तर्ज्जनी, दुर्ज्जन, दुर्ज्जय.

चौदहवाँ पाठ ।

র+দ+দ=র্দ্দ দুর্দ্দশা, চতুর্দ্দশী
र+द+द=र्द्द दुर्द्दशा, चतुर्द्दशी
র+দ+ধ=র্দ্ধ অর্দ্ধাশন, দুর্দ্ধর
र+द+ध=र्द्ध अर्द्धाशन, दुर्द्धर
র+ম+ম=র্ম্ম চর্ম্মকার, জাতকর্ম্ম, দুর্ম্মতি
र+म+म=र्म्म चर्म्मकार, जातकर्म्म दुर्म्मति

র+য+য=র্য্য — সূর্য্যাবর্ত্ত, ধৈর্য্য, বীর্য্য

र+य+य=र्य्य — सूर्य्यावर्त्त, धैर्य्य, वीर्य्य

র+ব+ব=র্ব্ব — সর্ব্ব, খর্ব্ব, পূর্ব্ব, দুর্ব্বল

र+व+व=र्व्व — सर्व्व, खर्व्व, पूर्व्व, दुर्व्वल

র+শ+ব=পার্শ্ব — পার্শ্বভাগ

र+श+व=र्श्व — पार्श्वभाग

ষ+ট+র=ষ্ট্র — রাষ্ট্রীয় সভা

ष+ट+र=ष्ट्र — राष्ट्रीय सभा

স+ত+র=স্ত্র — শাস্ত্র, স্ত্রী

स+त+र=स्त्र — शास्त्र, स्त्री

चौथा अध्याय ।

रिश्तेदार—स्वजन

পরমেশ্বর	परमेश्वर	परमेश्वर
মানুষ	मानुष	मनुष्य
পিতা	पिता	बाप
মাতা	माता	मा
ভ্রাতা	भ्राता	भाई
কাকা	काका	चाचा
মেসো	मेसो	मौसा

পিসে	पिसे	फूफा
পুত্র	पुत्र	बेटा
বালক	बालक	बालक
কন্যা	कन्या	कन्या, लड़की
বালিকা	बालिका	बालिका
ভাগিনা	भागिना	भान्जा
ভাইপো	भाइपो	भतीजा
স্বামী	स्वामी	स्वामी
বাবা	बाबा	बाप
ঠাকুর দাদা	ठाकुर दादा	दादा
পিতামহ	पितामह	दादा, बाबा
মাতামহ	मातामह	नाना
জ্যেঠা	ज्येठा	ताऊ
স্ত্রীলোক, মেয়ে মানুষ	स्त्रीलोक, मेये मानुष	स्त्रियाँ
ভগিনী	भगिनी	बहिन
জ্যেঠী	ज्येठी	ताई
কাকী	काकी	काकी, चाची
মাসী	मासी	मौसी
পিসী	पिसी	फूफी, भूआ
ভাগিনী	भागिनी	भान्जी
ভাইঝী	भाइझी	भतीजी
স্ত্রী	स्त्री	पत्नी, बीबी

মা	मा	मा, माता
ঠাকুর-মা	ठाकुर-मा	दादी
দিদি-মা	दिदि-मा	नानी
দৌহিত্র	दौहित्र	दौहिता
পৌত্র	पौत्र	नाती, पोता
পৌত্রী	पौत्री	नतनी, पोती
দৌহিত্রী	दौहित्री	दुहिती
মামা	मामा	मामा
মামী	मामी	मामी
জামাই, জামাতা	जामाइ, जामाता	दामाद, जमाई
পুত্রবধূ	पुत्रबधू	बेटेकी बहू
শ্বশুর	श्वशुर	ससुर
শাশুড়ি	शाशुड़ि	सास
খুড়-শ্বশুর	खुड़-श्वशुर	ककिया ससुर
মামা-শ্বশুর	मामा-श्वशुर	ममिया ससुर
খুড়-শাশুড়ি	खुड़ शाशुड़ि	ककिया सास
মামা-শাশুড়ি	मामा शाशुड़ि	ममिया सास
শালা, সম্বন্ধী	शाला, सम्बन्धी	साला
শালী	शाली	साली
ভগিনীপতি	भगिनीपति	बहनोई
ভাজ	भाज	भौजाई
দেবর	देवर	देवर

ভাসুর	भासुर	जैठ
বেয়াই	बेयाइ	समधी (सम्बन्धी)
ননদ	ननद	ननद
বেয়ান	बेयान	समधिन
প্রভু	प्रभु	प्रभु
মনিব	मनिब	मालिक
মনিব-পত্নী	मनिब पत्नी	मालिकिन
বর	बर	बर, दूलह
ক'নেবউ	क'नेबउ	छोटीबहू
বিবাহের ক'নে	बिबाहेर क'ने	दुलहिन
সতীন-পো	सतीन-पो	सौतेलाबेटा
সতীন-ঝি	सतीन-झि	सौतेलीबेटी
ধর্ম্ম পিতা	धर्म्म पिता	धर्म्मपिता
ধর্ম্ম মাতা	धर्म्म माता	धर्म्म माता
ধাত্রীপুত্র	धात्री पुत्र	धा-भाई
ধাত্রী কন্যা	धात्री कन्या	धा-बहिनै
পুরোহিত	पुरोहित	प्रोहित
পুরোহিত-পত্নী	पुरोहित-पत्नी	प्रोहितानी
গৃহ-শিক্ষক	गृह-शिक्षक	घरमें सिखानेवाला
শিক্ষয়িত্রী	शिक्षयित्री	सिखानेवाली
গুরু	गुरु	गुरु
গুরু-পত্নী	गुरु-पत्नी	गुरुआइन

अवस्थानुसार मनुष्यों के नाम।

শিশু	शिशु	शिशु, बच्चा
যুবা	जुबा	जवान
বৃদ্ধ, বুড়া	वृद्ध, बुड़ा	बूढ़ा
পিতৃ মাতৃহীন বালক		बिना मा बाप का लड़का
অবিবাহিত লোক	अबिबाहित लोक	कँवारा
মৃতদার	मृतदार	रँडुआ
কৃতদার	कृतदार	विवाहित
পুরুষ	पुरुष	पुरुष, मर्द
কুমারী	कुमारी	कुमारी
বিধবা	बिधबा	विधवा, बेवा
টাক পড়া	टाक पड़ा	गञ्जा
খাঁদা	खाँदा	नक-बैठा
নাক-কাটা	नाक-काटा	नकटा
অন্ধ	अन्ध	अन्धा
কানা	काना	काना
কালা	काला	बहरा
তোতলা	तोतला	तोतला
খোঁড়া	खोँड़ा	लँगड़ा
মোটা	मोटा	मोटा
কৃশ	कृश	दुबला

লম্বা	लम्बा	लम्बा
খোজা	खोजा	हिंजड़ा
বামন	बामन	बौना
সুন্দর	सुन्दर	सुन्दर
কুৎসিৎ	कुत्सित्	कुरूप
রুগ্ন	रुग्न	रोगी
সুস্থ	सुस्थ	आरोग्य
কালো	कालो	काला
সন্তান	सन्तान	सन्तान
পোষ্যপুত্র	पोष्यपुत्र	गोदका बेटा
শুশ্রুষাকারিণী	शुश्रुषाकारिणी	शुश्रुषा करनेवाली
স্তন্যদায়িনী	स्तन्यदायिनी	स्तन पिलानेवाली
উপপতি	उपपति	उपपति, यार
জ্ঞাতি	ज्ञाति	जाति
কুটুম্বী	कुटुम्बी	कुटुम्बी
উত্তরাধিকারী	उत्तराधिकारी	वारिस
পূর্ব্ব পুরুষ	पूर्ब्ब पुरुष	पुरखा
মাতাপিতা	माता पिता	मा बाप
অতিথী	अतिथी	अतिथि
নিমন্ত্রিত ব্যক্তি	निमन्त्रित व्यक्ति	मिहमान
বন্ধু	बन्धु	बन्धु, मित्र
শত্রু	शत्रु	शत्रु, दुश्मन

চাকর	चाकर	चाकर, नौकर
মহাজন	महाजन	महाजन
ধনদাতা	धनदाता	बौहरा
বিদেশী	बिदेशी	परदेशी
ঠিকাদার	ठिकादार	ठेकेदार
প্রতিবেশী	प्रतिबेशी	पड़ौसी
অপরিচিত ব্যক্তি	अपरिचित व्यक्ति	अजनबी
জমিদার	जमिदार	ज़मींदार
প্রজা	प्रजा	किरायेदार
কৃতদাস	कृतदास	गुलाम
ছাত্র	छात्र	छात्र, विद्यार्थी
শিক্ষানবীশ	शिक्षानबीश	उम्मेदवार
শিষ্য	शिष्य	शिष्य, शागिर्द
শরীর	शरीर	बदन
মস্তক	मस्तक	मस्तक, सिर
অঙ্গ	अङ्ग	अङ्ग

अंग प्रत्यंग ।

মাথারখুলি	माथारखुलि	खोपड़ी
মুখমণ্ডল	मुखमण्डल	चेहरा
মুখগহ্বর	मुखगह्वर	मुँह
দাঁত	दाँत	दाँत

জিভ	जिभ	जीभ
আলজিভ	आलजिभ	गलेकोकौड़ी
কণ্ঠ	कण्ठ	गला, कण्ठ
ঘাড়	घाड़	गर्दन
গাল	गाल	गाल
চিবুক	चिबुक	ठोड़ी
ঠোঁট	ठोँट	होठ
কাঁধ	काँध	कन्धा
চোয়াল	चोयाल	जाबड़ा
বুক	बुक	छाती
পিঠ	पिठ	पीठ
মেরুদণ্ড	मेरुदण्ड	पीठका बाँसा
পেট	पेट	पेट
তলপেট	तलपेट	पेड़ू
পাকস্থলী	पाकस्थली	पाकस्थली
কোমর	कोमर	कमर
চামড়া	चामड़ा	चमड़ा
ত্বক	त्वक	चमड़ा
হাত	हात	हाथ
হাতের কব্জী	हातेर कब्जी	कब्जा
হাতের আঙ্গুল	हातेर आङ्गुल	हाथकीउंगली
বুড়া আঙ্গুল	बुड़ा आङ्गुल	अँगूठा

পঞ্জর	पञ्जर	पसली
ধড়	धड़	धड़
বগল	बगल	बगल
কণুই	कणुइ	कोहनी
চোখের পাতা	चोखेर पाता	पलक
চোখের পাতার চুল	चोखेर पातार चुल	बरौनी
চোখের তারা	चोखेर तारा	आँखकीपुतली
নাকের বিংদ	नाकेर विन्दू	नथुना
মেড়ে	मेड़े	मसूड़ा
গোঁপ	गोंप	मूँछ
দাড়ী	दाड़ी	दाढ़ी
রক্ত	रक्त	खून, लोहू
হাড়	हाड़	हाड़, हड्डी
মস্তিষ্ক	मस्तिष्क	भेजा
নখ	नख	नख, नाखून
কাণ	काण	कान
কপাল	कपाल	कपाल, लिल्लार
ভ্রু	भ्रु	भौं
উরু	ऊरु	जाँघ
হাঁটু	हाँटु	घोंटु
পা	पा	पैर
পায়ের গাঁইট	पायेर गाँइट	टखना

গোড়ালি	गोडालि	एँड़ी
গাঁইট	गाँइट	गाँठ
কেশ	केश	केश, बाल
পায়ের তেলো	पायेर तेलो	पैरका तलवा
হাতের তেলো	हातेर तेलो	हथेली
ধমনী	धमनी	धमनी
মজ্জা	मज्जा	मज्जा
নাড়ি, নাড়ী	नाड़ि, नाड़ी	नाड़ी
স্নায়ু	स्नायु	स्नायु
মাংসপেশী	मांसपेशी	पुंठा
হৃদয়	हृदय	हृदय
ফুস্‌ফুস্	फुस्फुस्	फेफड़े
পিত্ত	पित्त	पित्त
শ্লেষ্মা	श्लेष्मा	श्लेष्मा, कफ
স্বর	स्वर	आवाज़
নিশ্বাস	निश्वास	साँस
চক্ষের জল, অশ্রু	चक्षेर जल, अश्रु	आँसू
থুতু	थुतु	थूक
চর্ম্ম	चर्म्म	चमड़ा
নাসিকা, নাক	नासिका, नाक	नाक
নাসারন্ধ্র	नासारन्ध्र	नथुना
চক্ষু	चक्षु	आँख

লোমকূপ	लोमकूप	रोमछिद्र
মাংস	मांस	माँस

पशु पक्षी और कीड़े मकौड़े ।

পশু	पशु	पशु, जानवर
সিংহ	सिंह	सिंह, शेर
সিংহী	सिंही	सिंहनी, शेरनी
অশ্ব	अश्व	घोड़ा
ঘোড়া	घोड़ा	घोड़ा
ঘোটকী, ঘুড়ী	घोटकी, घुड़ी	घोड़ी
ষাঁড়	षाँड़	साँड़
গাভী	गाभी	गाय
ভেড়া	भेड़ा	भेड़ा, भेड़
কুকুর	कुकुर	कुत्ता
কুকুরী	कुकुरी	कुतिया
ব্যাঘ্র	व्याघ्र	चीता
ব্যাঘ্রী	व्याघ्री	चीती
হস্তী	हस्ती	हाथी
হস্তিনী	हस्तिनी	हथनी

হরিণ	हरिण	हिरन
হরিণী	हरिणी	हिरनी
নেকড়ে বাঘ	नेकड़े बाघ	भेड़िया
চিতা বাঘ	चिता बाघ	तेंदुआ
ভল্লুক	भल्लुक	रिछ, भालू
মহিষ	महिष	भैंसा
গণ্ডার	गण्डार	गैंडा
উষ্ট্র	उष्ट्र	ऊँट
খচ্চর	खच्चर	खच्चर
গর্দ্দভ	गर्द्दभ	गधा
ছাগ	छाग	बकरा
বিড়াল	बिड़ाल	बिल्ली
শূকর	शूकर	सूअर
কাঠ বিড়াল	काठ बिड़ाल	गिलहरी
বন-মানুষ	बन-मानुष	बन-मानुष
বানর	बानर	बन्दर
শৃগাল	सृगाल	स्यार, गीदड़
খেঁকশিয়ালী	खेंकशियाली	लोमड़ी
বেঁজী	बेंजी	नेवला
মূষিক, ইন্দুর	मूषिक, इन्दुर	मूसा, चूहा
খরগোস	खरगोस	खरगोश
বাছুর	बाछुर	बछड़ा

মেষ শাবক	मेष शावक	मैमना
ছাগ শাবক	छाग शावक	बकरीका बच्चा
শূকর শাবক	शूकर शावक	सूअरकाबच्चा
কুকুরের বাচ্ছা	कुकुरेर बाच्छा	पिल्ला
বিড়ালের বাচ্ছা	बिड़ालेर बाच्छा	बिल्लीका बच्चा
চতুষ্পাদ	चतुष्पद	चौपाया
শৃঙ্গ	शृङ्ग	सींग
খুর	खुर	खुर
পশম	पशम	रोआँ
পুচ্ছ	पुच्छ	पूँछ, दुम
পোকা	पोका	कीड़ा
প্রজাপতি	प्रजापति	तितली
মৌমাছী	मौमाछी	मधुमक्खी
বোল্তা	बोल्ता	बर्रं, ततैया
ভ্রমর	भ्रमर	भौंरा
মাছি	माछि	मक्खी
ডাঁশ	डाँश	मच्छर, डाँस
জোনাকী পোকা	जोनाकी पोका	जुगनू
পঙ্গপাল	पङ्गपाल	टिड्डी
পক্ষী	पक्षी	पक्षी, पखेरु
চড়াই	चड़ाइ	गौरैया
চাতক	चातक	चातक, पपीहा

ময়ূর	मयूर	मोर
ময়ূরী	मयूरी	मोरनी
হংস	हंस	हंस
হংসী	हंसी	हंसनी
রাজহংস	राजहंस	राजहंस
কোকিল	कोकिल	कोयल
তোতাপক্ষী	तोतापच्छी	तोता
কাকাতুয়া	काकातुया	काकातुआ
পায়রা	पायरा	कबूतर
বুল্বুল্	बुल्बुल्	बुलबुल
ঘুঘু	घुघु	पण्डुकिया
সারস	सारस	सारस
বক	बक	बगुला
মোরগ	मोरग	मुर्गा
মুরগী	मुरगी	मुर्गी
কাক	काक	कव्वा
শকুনি	शकुनि	गिद्ध
চিল	चिल	चील
বাজ	बाज	बाज, शिकरा
মাছরাঙ্গা	माछराङ्गा	मछलीमार पच्छी
পেঁচা	पेंचा	उल्लू
পক্ষ	पक्ष	पंख

চঞ্চু	चञ्चु	चोंच
ডানা	डाना	पर
ডিম্ব	डिम्ब	अण्डा
কীট	कीट	कीड़ा
পিপীলিকা	पिपीलिका	चींटी
উকুণ	उकुण	जूँ
নিকি	निकि	लीक
মাকড়সা	माकड़सा	मकड़ी
গুটিপোকা	गुटिपोका	रेशमका कीड़ा
জোঁক	जोंक	जोंक
ছারপোকা	छारपोका	खटमल
গুবরেপোকা	गुबरेपोका	गुबरीला
সর্প	सर्प	सर्प, साँप
ঝিনুক	झिनुक	सीप
কচ্ছপ	कच्छप	कछुआ
শামুক	शामुक	घोंघा
শঙ্খ, শাঁখ	शङ्ख, शांख	शङ्ख
কুম্ভীর	कुम्भीर	मगर, घड़ियाल
টিক্‌টিকি	टिक्‌टिकि	छिपकली
কিউটেসাপ	किउटेसाप	कालासाँप
কটকটে-বেঙ	कटकटे-बेङ	मेंडक
বিছা	बिछा	बिच्छू
কেঁচো	केंचो	केंचुआ

वृक्ष आदि।

শাখা, ডাল	शाखा, डाल	शाखा, डाली
পত্র, পাত, পাতা	पत्र, पात, पाता	पत्र, पत्ता
কলি	कलि	कली
কুঁড়ি	कुँडि	कली
গুঁড়ি	गुँड़ि	धड़
খোসা	खोसा	छाल
ছোবড়া	छोबड़ा	छिलका
শাঁস	शाँस	गूदा
কণ্টক, কাঁটা	कण्टक, काँटा	काँटा
বীজ	बीज	बीज़
মুকুল	मुकुल	फूल, कली
ফুল	फुल	फूल
অঙ্কুর	अङ्कुर	अङ्कुर
কাঠ	काठ	काठ, लकड़ी
রস	रस	रस
মূল	मूल	मूल, जड़
আঁশ	आँश	रेशा, तार
বৃক্ষ	वृक्ष	वृक्ष, पेड़
আম গাছ	आम गाछ	आमका पेड़
তাল গাছ	ताल गाछ	ताड़का पेड़

খেজুর গাছ	खेजुर गाछ	खिजूरका पेड़
আঙ্গুর গাছ	आङ्गुर गाछ	अङ्गूरका पेड़
নারিকেল গাছ	नारिकेल गाछ	नारियलका पेड़
অশ্বত্থ	अश्वत्थ	पीपलका पेड़
শাল গাছ	शाल गाछ	सालका पेड़
শিমুল গাছ	शिमुल गाछ	सेमलका पेड़
সেগুন গাছ	सेगुन गाछ	सागवानका पेड़
বেত্র গাছ	बेत्र गाछ	बेंतका पेड़
ঝাউ গাছ	झाउ गाछ	झाउका पेड़
পাট গাছ	पाट गाछ	पाटका पेड़
শন গাছ	शन गाछ	सनका पेड़
বট গাছ	बट गाछ	बड़का पेड़
বাঁশ গাছ	बाँस गाछ	बाँसका पेड़
নীল	नील	नील
ইক্ষু	इक्षु	ईख
কাঁঠাল গাছ	काँठाल गाछ	कटहलका पेड़
আতা গাছ	आता गाछ	सरीफेका पेड़
সুপারি গাছ	सुपारिगाछ	सुपारीका पेड़
কলা গাছ	कला गाछ	केलेका पेड़
ছোট গাছ	छोट गाछ	पौधा
চারা গাছ	चारा गाछ	पौधा
লতা	लता	लता, बेल

अनाज ।

শস্য	शस्य	शस्य, अनाज
ধান্য	धान्य	धान
চাউল	चाउल	चाँवल
গম	गम	गेहूँ
যব	जब	जौ
ধন্যা	धन्या	धनिया
ধনিয়া	धनिया	धनिया
দাল	दाल	दाल
ময়দা	मयदा	मैदा
মটর	मटर	मटर
ভুট্টা	भुट्टा	मक्का
ছোলা	छोला	चना
সাগুদানা	सागुदाना	साबूदाना
সরিষা	सरिषा	सरसों
তিসি	तिसि	तीसी, अलसी
তিল	तिल	तिल
ভেরেণ্ডা, রেড়ী	भेरेण्डा, रेड़ी	रेंड़ी
পোস্তদানা	पोस्तदाना	पोस्तके बीज

फल और मेवे।

ফল	फल	फल
আম	आम	आम
জাম	जाम	जामुन
কাঁঠাল	काँठाल	कटहल
পিয়ারা	पियारा	अमरूद
নাশপাতি	नाशपाति	नाशपाती
রম্ভা	रम्भा	केला
লেবু	लेबु	नीबू
কমলা লেবু	कमलालेबु	नारङ्गी
দাড়িম	दाड़िम	अनार
তাল	ताल	ताड़
খেজুর	खेजुर	खजूर
কুল	कुल	बेर
কালজাম	कालजाम	काला जामुन
সুপারি	सुपारि	सुपारी
আনারস	आनारस	अनन्नास
নারিকেল	नारिकेल	नारियल
লিচু	लिचु	लीची
শসা	शसा	खीरा
তেঁতুল	तेँतुल	इमली

ফুটী	फुटी	फूट
তরমুজ	तरमुज	तरबूज़
খরমুজ	खरमुज	खरबूज़ा
বাদাম	बादाम	बादाम
পিস্তা	पिस्ता	पिस्ता
আঙ্গুর	आङ्गुर	अङ्गूर
কিসমিস	किसमिस	किशमिश
আখরোট	आखरोट	अखरोट
গোলাপ	गोलाप	गुलाब
গাঁদা	गाँदा	गैंदा
যুঁতি	जुँति	चमेली
পদ্ম	पद्म	पद्म, कमल
ধুতুরাফুল	धुतुराफुल	धतूरेकाफूल
শাক সবজী	शाक सबजी	साग तरकारी
বাঁধা কপি	बाँधा कपि	बन्द गोभी
ফুলকপি	फुलकपि	फूलगोभी
বেগুন	बेगुन	बैंगन
রসুন	रसुन	लहसन
পলাণ্ডু	पलाण्डु	प्याज
গোলআলু	गोलआलु	आलू
লাউ	लाउ	लौकी
মূলা	मूला	मूली

मसाले ।

মসলা	मसला	मसाले
জয়ত্রী	जयत्री	जावित्री
জিরা	जिरा	ज़ीरा
হরিদ্রা	हरिद्रा	हल्दी
মৌরি	मौरि	सौंफ
জাফ্রান	जाफ्रान	केशर
কস্তুরি	कस्तुरि	कस्तूरी
লবঙ্গ	लबङ्ग	लौंग
কর্পূর	कर्पूर	कपूर
শুঁঠ	शुँठ	सोंठ
গোলমরিচ	गोलमरिच	गोलमिर्च
সরিসা	सरिसा	राई
লঙ্কা	लङ्का	लालमिर्च
আদা	आदा	अदरख
জায়ফল	जायफल	जायफल
এলাইচ	एलाइच	इलायची
তেজপাত	तेजपात	तेजपात
দারুচিনি	दारुचिनि	दालचीनी
পৌঁপুল	पैँपुल	पीपर
কাবাবচিনি	काबाबचिनि	कवाबचीनी
খয়ের	खयेर	खैर, कत्था

खाद्य द्रव्य और बरतन।

খাদ্য	खाद्य	भोजन
জল	जल	पानी, जल
ভাত	भात	भांत
মদ্য	मद्य	मद्य, शराब
রুটী	रुटी	रोटी
ডাল	डाल	दाल
ঝোল	झोल	झोल, शोरवा
অম্বল, টক্	अम्बल, टक्	खट्टा, चटनी
মাছ	माछ	मछली
ডিম্ব	डिम्ब	अण्डा
মাংস	मांस	माँस
পিষ্টক	पिष्टक	टिक़िया
দুগ্ধ	दुग्ध	दूध
সাগু	सागु	साबूं
মাখম	माखम	मक्खन
ছানা	छाना	छना
দধি	दधि	दही
পনির	पनिर	पनीर
সর	सर	मलाई
ক্ষীর	क्षीर	खीर

লবণ	लबण	लवण, नमक
তৈল	तैल	तेल
সর্ষপ তৈল	सर्षप तैल	सरसोंका तेल
পাঁউরুটী	पाँउरुटी	पावरोटी
চিনি	चिनि	चीनी
মধু	मधु	शहद, मधु
মিছরী	मिसरी	मिस्री
বাতাসা	बातासा	बताशा
মিষ্টান্ন	मिष्टान्न	मिठाई
ঘি	घि	घी
ঘোল	घोल	माठा
চা	चा	चाय
কফি	कफि	काफी
পানীয়	पानीय	पीनेकी चीज़
সরবত	सरबत	शरबत
প্রাতঃভোজন	प्रात:भोजन	कलेवा
মধ্যাহ্ন ভোজন	मध्याह्न भोजन	भोजन
রাত্রির আহার	रात्रिर आहार	बयालू
বনভোজন	बनभोजन	जङ्गलकीरसोई
জলযোগ	जलजोग	जलपान
ভোজ	भोज	दावत, भोज
বড় ভোজ	बड़ भोज	बड़ी दावत

রান্নাঘর	रान्नाघर	रसोई
পাথরে কয়লা	पाथरे कयला	पत्थरका कोयला
জ্বালানী কাঠ	ज्वालानी काठ	जलानेकी लकड़ी
আগুন	आगुण	आग
ধোঁয়া	धोँया	धूआँ
কাঠের কয়লা	काष्ठेर कयला	लकड़ीका कोयला
ছাই	छाई	राख
রাঁধুনি	राँधुनि	रसोइया
কড়াই	कड़ाइ	कड़ाही
পাত্র	पात्र	पात्र, बरतन
ঘড়া	घड़ा	घड़ी
বাসন	बासन	बासन
বাটি	बाटि	कटोरी
পেয়ালা	पियाला	प्याला
গেলাস	गेलास	ग्लास
থালা	थाला	थाली
কলসী	कलसी	कलस
কুঁজো	कुँजो	कुज्जा, सुराही
চামচ্	चामच	कलछी, चमची
বোতল	बोतल	बोतल
শিশি	शिशि	शीशी

कपड़े और ज़ेवर।

পোষাক	पोषाक	पोशाक
অলঙ্কার	अलङ्कार	गहना
কাপড়	कापड	कपड़ा
চাদর	चादर	चद्दर
পাজামা	पाजामा	पायजामा
কোট	कोट	कोट
কামিজ	कामिज	कमीज़
ঘাগরা	घागरा	घागरा
চোগা	चोगा	चुगा
আস্তিন	आस्तिन	आस्तीन
কোমরবন্ধ	कोमरबन्ध	कमरबन्द
জেব	जेब	जेब
তোয়ালে	तोयाले	तौलिया
দস্তানা	दस्ताना	दस्ताना
টুপি	टुपि	टोपी
পাগড়ী	पागड़ी	पगड़ी
মলমল	मलमल	मलमल
ছিট-কাপড়	छिट-कापड़	छींट
মখমল	मखमल	मख़मल
পশমী কাপড়	पशमी कापड़	ऊनी कपड़ा

পশম	पशम	ऊन
রেশম	रेशम	रेशम
অস্তর	अस्तर	अस्तर
কঙ্কন	कङ्कन	कङ्कन
বোতাম	बोताम	बोताम, बटन
মোজা	मोजा	मोज़ा
শাল	शाल	शाल, दुशाला
রুমাল	रुमाल	रुमाल
আংটি	आंटि	अँगूठी
হার	हर	हार, माला
ফিতা	फिता	फीता

घर और घरका सामान ।

বাড়ী	बाड़ी	घर
ইমারত বাড়ী	इमारत बाड़ी	इमारत
বসতবাড়ী	बसतबाड़ी	रहनेका मकान
কুঠারী	कुठारी	कोठरी
ছাদ	छाद	छत
দরজা	दरजा	दरवाज़ा
চৌকাট	चौकाट	चौखट

জানালা	जानाला	खिड़की
ছিটকিনি	छिटकिनि	छिटकनी
নল	नल	नल
জলেরকল	जलेरकल	जल-कल
পায়খানা	पायखाना	पाखाना
বড় ঘর	बड़ घर	बड़ाघर
শুইবার ঘর	शुइबार घर	सोनेका घर
পড়িবার ঘর	पड़िबार घर	पढ़नेका घर
বৈঠকখানা	बैठकखाना	बैठक
বসিবার ঘর	बसिबार घर	बैठक
অভ্যর্থনা ঘর	अभ्यर्थना घर	अभ्यर्थना घर
নৃত্যের ঘর	नृत्येर घर	नाच-घर
আস্তাবল	आस्तावल	अस्तबल
উঠান	उठान	आँगन
গোয়াল	गोयाल	गायोंकाबाड़ा
কব্জা	कब्जा	कब्ज़ा
একতালা	एकताला	इकतल्ला
দোতালা	दोताला	दुतल्ला
বারাণ্ডা	बाराण्डा	बरण्डा
কুঁড়েঘর	कूँड़ेघर	झोंपड़ी
থাম	थाम	थम्भा, खम्भा
উনান	उनान	अँगीठी